इलाहाबाद विश्वविद्यालय

कला संकाय

मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास विभाग

व्याख्यान सूची

(2012–13)

बी0 ए0 प्रथम भाग

विषय (क) मध्यकालीन इतिहास

(ख) आधुनिक इतिहास

बी॰ ए॰ प्रथम भाग

मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास

व्याख्यान सूची

आवश्यक सूचना :

प्रथम व द्वितीय प्रश्नपत्रो में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न एवम् कुल दस प्रश्न होंगे। परिक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न एवम् कुल पाँच प्रश्न करने होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र : भारतीय संस्कृति

(यह प्रश्नपत्र सभी विद्यार्थियों के लिये है।)

इकाई 1 : प्राचीन भारतीय संस्कृति का विकास

1. संस्कृति की व्याख्या : संस्कृति का तात्पर्य; एक प्रक्रिया के रूप में संस्कृति; संस्कृति व सभ्यता; संस्कृति के उपागम – अनेकता में एकता, समवेत् संस्कृति, जनप्रिय व अभिजनवर्गीय संस्कृति।
2. भारतीय संस्कृति के आधार : अध्ययन के स्रोत; भौगोलिक व प्रजातीय कारक; प्रमुख भाषा परिवारों का उदय– भारतीय-आर्य, द्रविड़ एवम् अन्य भाषा परिवार।
3. प्राग्–इतिहास एवम् आद्य-इतिहास : प्रागैतिहासिक सस्कृतियों का सर्वेक्षण; सैन्धव सभ्यता – प्रमुख स्थल, सामाजिक व आर्थिक जीवन, कला, वास्तुकला व नगर नियोजन, अवसान।
4. वैदिक युग एवम् उत्तर-वैदिक युग : धार्मिक विचार व प्रथाएं; राजनीतिक संस्थाएं, सामाजिक व सांस्कृतिक जीवन, शिक्षा, महिलाओं की स्थिति; जाति व्यवस्था का विकास व विशेषताएं।
5. मतान्तरों का विकास : बौद्ध धर्म एवम् जैन धर्म का उद्भव, उनकी प्रमुख विशेषताएं; उनके सम्प्रदायों का विकास, उनका प्रभाव, उनके अवसान के कारक।

इकाई 2 : साम्राज्यों के युग में समाज एवम् संस्कृति

1. मौर्य युग एवम् मौर्योत्तर काल : कला, वास्तुकला, साहित्य व संगीत का विकास।
2. गुप्तकालीन संस्कृति : वास्तुकला, शिल्पकला, चित्रकला, साहित्य व संगीत। क्या गुप्तकाल एक 'स्वर्णिम' युग था?
3. दक्षिण भारत : संगम युग में साहित्य व समाज; पल्लवों व चोलों के काल में सांस्कृतिक विकास।
4. गुप्तोत्तर काल : समाज व संस्कृति; एशिया से भारतीय सांस्कृतिक सम्पर्क।
5. दर्शन एवं वैज्ञानिक विधाएं : प्राचीन भारतीय दर्शन के सम्प्रदाय; शंकराचार्य व हिन्दू धर्म की पुनव्याख्या; वैज्ञानिक ज्ञान व विचार।

इकाई 3 : मध्यकालीन भारत में सामाजिक एवम् सांस्कृतिक सामंजस्य

1. भारत में इस्लाम : इस्लाम का आगमन; भारतीय समाज पर इस्लाम का प्रभाव; सांस्कृतिक समन्वय में इस्लाम का योगदान।
2. भक्ति आन्दोलन : स्रोत व विकास, आधारभूत विचार; भक्ति आन्दोलन के विभिन्न सम्प्रदाय; समाज पर प्रभाव।
3. सूफीवाद : भारत में सूफीवाद का आगमन व विकास; प्रमुख सूफी सिलसिले व उनके विचार; सूफीवाद का योगदान।
4. मध्यकालीन वास्तुकला : सल्तनतकालीन; मुगलकालीन व दक्षिण भारतीय वास्तुशैलियों का विकास, विशेषताएं तथा प्रभाव।
5. चित्रकला का विकास : प्रारम्भिक मध्यकाल की विरासत; मुगल चित्रकला; राजपूत व अन्य शैलियाँ ('कलमें')।

इकाई 4 : मध्यकालीन समाज एवम् संस्कृति के विविध पक्ष

1. भाषा एवम् साहित्य : प्राकृत व क्षेत्रीय भाषाओं के विकास का सर्वेक्षण; फारसी, हिन्दी व उर्दू सहित्य का विकास।
2. बौद्धिक अनुशीलन एवम् संगीत : शिक्षा व विद्यार्जन; संगीत की शास्त्रीय एवम् जनप्रिय शैलियों का विकास व विशेषताएं।
3. मध्यकालीन समाज : दैनन्दिन जीवन; सामाजिक वर्ग–विभाजन; महिलाओं की स्थिति।
4. उत्तरवर्ती अठारहवीं शताब्दी : नगरीकरण व नगर संस्कृति; ग्रामीण समाज व ग्राम्य जीवन; सामाजिक विचार; क्षेत्रीय संस्कृतियों की अभिव्यक्ति।
5. प्रारम्भिक औपनिवेशिक काल : पश्चिम से नवीन विचारों का आगमन; सुधारवादी विचारों व आन्दोंलनों का उदय; प्रारम्भिक उन्नीसवीं शताब्दी की 'नव जागृति' के देशज स्रोत; राजा राममोहन राय की भूमिका।

इकाई 5 : आधुनिक भारत में समाज एवम् संस्कृति का सर्वेक्षण

1. नवीन सामाजिक एवम् धार्मिक दिशाएं : हिन्दुओं, सिखों व पारसियों के सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन; ईसाई धर्म का प्रभाव; मुस्लिमों व पिछड़े वर्गों के सामाजिक आन्दोलन।
2. शिक्षा, आधुनिकता एवम् नवीन विचार : पारम्परिक शिक्षा की नियति व आधुनिक शिक्षा का विकास; सामाजिक–सांस्कृतिक सन्दर्भ में आधुनिकता का तात्पर्य व उसके प्रभाव की समीक्षा; राष्ट्रवाद के परिप्रेक्ष्य में बौद्धिक व दार्शनिक प्रवृत्तियां।
3. साित्यि एवम् कलाएं : हिन्दी, उर्दू व अन्य भारतीय भाषाओं व साहित्यों के विकास का सिंहावलोकन; शास्त्रीय, लोक व जनप्रिय कला एवम् संगीत, प्रदर्शन कलाओं व सिनेमा की प्रवृत्तियों को सर्वेक्षण।
4. सामाजिक परिस्थितियों एवं परिवर्तनकारी आन्दोलन : जनजातीय समुदाय, महिलाएं व दलित वर्ग; महात्मा गांधी एवम् डा0 बी0आर0 अम्बेडकर के विचार व योगदान।
5. पुनरावलोकन : भारतीय संस्कृति की सारभूत विशिष्टताएँ; विश्व परिप्रेक्ष्य में भारतीय संस्कृति।

संस्तुत पुस्तकें :–

1. A.L. Basham (ed) : *The Cultural History of India.*
2. A.L. Basham : *The Wonder that was India* (हिन्दी अनुवादः अद्भुत भारत)
3. Radha Kamal Mukhejee: *The Culture and Art of India.* (हिन्दी अनुवाद : भारत की संस्कृतिक औरी कला)
4. Tara Chand : *The Influence of Islam of India Culture.*
5. Yusuf Hussain : *Glimpses of Medieval Indian Culture.*
6. H.k. Sherwani; *Cultrual Trends in Medieval India.*
7. S. Krishnaswamy Aiyanger : *Contribution of South India to Indian Culture.*
8. B. Kuppuswamy : *Social Change in India.*
9. C.H. Heimsath : *Indian Natioinalism and Hindu Social Reform.*
10. L.A. Gordon & B.S. Miller: *A Syllabus of Indian Civilisation.*
11. P.N. Chopra, B.N. Puri & M.N. Das : *A Social, Cultural and Economic History of India.* (हिन्दी अनुवाद : *भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक एवम् आर्थिक इतिहास।*)
12. सत्यकेतु विद्यालंकार : *भारतीय संस्कृति का विकास*।
13. Ramchandra Guha : *India After Gandhi.*

बी० ए० प्रथम भाग (क्रमशः)

द्वितीय (क) प्रश्नपत्र : मध्यकालीन भारत का इतिहास (1206–1526)

(यह प्रश्नपत्र केवल मध्यकालीन इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : भारत में तुर्की सत्ता की स्थापना

1. भारत में इस्लाम के पदार्पण का विहंगम वृत्त, सिन्ध में अरब विजय, पंजाब में तुर्की सत्ता का प्रसार तथा महमूद गजनवी के भारतीय अभियान।
2. मुहम्मद गौरी के आक्रमण के समय भारत की दशा।
3. मुहम्मद गौरी : प्रारम्भिक जीवन, भारतीय आभियान, तरायन के प्रथम एवं द्वितीय युद्ध।
4. राजपूतों की पराजय तथा तुर्कों की विजय के कारण, तुर्क विजय का महत्व।
5. दिल्ली सल्तनत का उदय तथा कुतुबुद्दीन ऐबक का शासन (1206–10)।

इकाई 2 : दिल्ली का सल्तनत का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण

1. शम्सुदीन इल्तुतमिश (1210–36) : प्रारम्भिक जीवन, सिंहासनारोहण, समस्याएँ, राज्य का विस्तार, इल्तुतमिश की उपलब्धियाँ।
2. इल्तुतमिश के उत्तराधिकी (1236–66), व विशेषत : रज़िया (1236–40), नासिरुदीन महमूद (1246–66)।
3. गयासुद्दीन बलबन (1266–87) : प्रारम्भिक जीवन, सिंहासनारोहण, मंगोल समस्या, लौह और रक्त की नीति।
4. बलबन का राजत्व सिद्धान्त, बलबन का योगदान।
5. कैकुबाद (1287–90), इल्बारी शासन का अन्त।

इकाई 3 : सल्तनत का वैभव काल।

1. खलजी वंश की स्थापना, जलालुद्दीन फिराज शाह खलजी (1290–96)।
2. अलाउद्दीन खलजी (1296–1316) : प्रारम्भिक जीवन, सिंहासनरोहण, राजत्व सिद्धान्त, मंगोल समस्या।
3. अलाउद्दीन खलजी : दक्षिणी नीति, बाजार नियंत्रण प्रणाली तथा भू–राजस्व व्यवस्था।
4. गयासुद्दीन तुगलक (1320–25) : तुगलक वंश के शासन की स्थापना, प्रशासनिक कार्य
5. मुहम्मद बिन तुगलक : प्रशासकीय सुधार, विद्रोह, चरित्र, मूल्यांकन।

इकाई 4 : सल्तनत का अवसान काल तथा क्षेत्रीय राज्यों का उत्कर्ष

1. फिरोज शाह तुगलक (1351–88) : सिंहासनारोहण, प्रशासकीय सुधार, उपलब्धियाँ।
2. तुगलक सत्ता का अवसान : फिरोज तुगलक का उत्तरदायित्व।
3. तैमूर का आक्रमण तथा दिल्ली सल्तनत का विघटन।
4. बहमनी राज्य (1347–1527) : सामाजिक और आर्थिक जीवन।
5. विजयनगर साम्राज्य (1326–1565) : सामाजिक और आर्थिक जीवन, शासन प्रणाली।

इकाई 5 : सैय्यद वंश तथा प्रथम अफगान राज्य की स्थापना

1. सैय्यद वंश (1414–51) का उत्थान एवं पतन।
2. बहलोल मोदी (1451–89) : प्रारम्भिक जीवन, लोदी राज्य की स्थापना।
3. सिकन्दी लोदी (1489–1517) : सल्तनत का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण, उपलब्धियाँ; इब्राहीम लोदी (1517–26): अमीरों से सम्बन्ध।
4. पानीपत का प्रथम युद्ध (1526) : इब्राहीम लोदी की पराजय एवं मृत्यु; दिल्ली सल्तनत का अन्त।

संस्तुत पुस्तकें

1. M. Habib and K.A. Nizami : *A Comprehensive History of India. Vol. V.*
2. M. Habib and K.A. Nizami : दिल्ल सल्तनत
3. Peter Jackson : *Delhi Sultanate – A Political and Military*
4. A.B. Pandey :*Early Medieval India*
5. A. B. Pandey : पूर्व मध्यकालीन भारत का इतिहास
6. Satish Chandra : *From Sultanate to Mughal (Delhi, 1999)*
7. Satish Chandra : *सल्तनत से मुगल*।

बी० ए० प्रथम भाग (क्रमशः)

द्वितीय (ख) प्रश्नपत्र : आधुनिक भारत का इतिहास (1740–1857)

(यह प्रश्नपत्र केवल आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : भारत में ब्रिटिश सत्ता की स्थापना का प्रारम्भिक चरण (1740–1784)

1. प्रायः 1740 में भारतीय उप–महाद्वीप की राजनीतिक परिस्थितियाँ; प्रथम, द्वितीय व तृतीय आंग्ल–फ्रांसीसी (कर्नाटक) युद्ध–पृष्ठभूमि, गतिक्रम, परिणाम, फ्रांसीसी पराभव के कारण, पलासी का युद्ध – पृष्ठभूमि, परिणाम (1757–60)।
2. पानीपत का तृतीय युद्ध – पृष्ठभूमि, महत्त्व; उत्तर–पानीपत मराठा परिस्थिति एवम् पेशवा माधव राव की उपलब्धियाँ (1761–72); हैदर अली (मैसूर) – उत्कर्ष, प्रभाव–विस्तार, प्रथम आंग्ल–मैसूर युद्ध की पृष्ठभूमि एवम् परिणाम।
3. नवाब मीर कासिम (बंगाल) – पदारोहण व नीतियाँ, ईस्ट इण्डिया कम्पनी से सम्बन्ध, बक्सर का युद्ध; इलाहाबाद की सन्धियाँ (1765) – प्रावधन, महत्तव; बंगाल में द्वैध शासन– द्वैध शासन का स्परूप, क्लाइव की भूमिका व कृतित्व का मूल्यांकन, उत्तर–क्लाइव अवधि में द्वैध शासन की समस्याएँ व ब्रिटेन में आलोचना।
4. विनियमन (रेग्यूलेटिंग) अधिनियम (1773) – प्रावधान व मूल्यांकेन; वॉरेन हेस्टिगंज का कार्यकाल (1772–85) – प्रशासनिक, न्यायिक एवम् राजस्व–सम्बन्धी उपाय, विवादास्पद कार्य एवम् महाभियोग, कृतित्व का मूल्यांकन।
5. प्रथम आंग्ल–मराठा युद्ध (1775–82) एवम् द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध (1780–84) – पृष्ठभूमि, गतिक्रम, परिणाम, आंग्ल–अवध सम्बन्ध (1765–97)।

इकाई 2 : भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार (1784–1807)

1. पिट का भारत अधिनियम (1784) – पृष्ठभूमि, प्रावधान व महत्व; 1793 का अधिकारपत्र (चार्टर) अधिनियम–पृष्ठभूमि, प्रावधान व महत्व।
2. लॉर्ड कॉर्नवॉलिस का कार्यकाल (1786–93) – प्रशासनिक, न्यायिक व वाणिज्यीय उपाय, राजस्व नीति व स्थायी भू–व्यवस्था, कृतित्व का मूल्यांकन।
3. 1765 से 1798 की अवधि में गुगल सम्राट व भारतीय राज्यों के प्रति ईस्ट इण्डिया कम्पनी की नीति का पुनरावलोकन; लॉर्ड वॅलॅज्ली का कार्यकाल (1798–1805)– सहायक सन्धि व्यवस्था; मुगल सम्राट, अवध, हैदराबाद व अन्य भारतीय राज्यों के प्रति नीति, प्रशासनिक कार्य, ब्रिटिश साम्राज्यीय व्वस्था में योगदान।
4. टीपू सुल्तान– प्रशासनिक कार्य, ईस्ट इण्डिया कम्पनी के प्रति नीति, तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध की पृष्ठभूमि व परिणाम, चतुर्थ आंग्ल–मैसूर, युद्ध की पृष्ठभूमि व परिणाम, कृतित्व का मूल्यांकन।
5. सालबाई की सन्धि से बसीन की सन्धि तक मराठी परिसंघ की गतिविधियाँ एवं परिस्थितियाँ, द्वितीय आंग्ल–मराठा युद्ध (1803–05)–पृष्ठभूमि, प्रथम चरण (सिन्धियाँ व भोंसले से युद्ध, 1803) का गतिक्रम व परिणाम, द्वितीय चरण (होल्कर से युद्ध 1804–05) का गतिक्रम व परिणाम, आंग्ल–मराठा सन्धियों का संशोधन।

इकाई 3 : भारत में ब्रिटिश सत्ता का सुदृढ़ीकरण (1807–1842)

1. ईस्ट इण्डिया कम्पनी की भारतीय राज्यों के प्रति नीति (1807713); महाराजा रणजीत सिंह – पंजाब की उत्तर–पानीपत परिस्थितियाँ (1761–98), पंजाब राजय का उत्कर्ष, प्रभाव–विस्तार एवम् प्रशासनिक व सैनिक व्यवस्था, ईस्ट इण्डिया कम्पनी से सम्बन्ध (1806–39), कृतित्व का मूल्यांकन।
2. आंग्ल–नेपाल युद्ध (1814–16) – पृष्ठभूमि, गतिक्रम, परिणाम; तृतीय आंग्ल–मराठा युद्ध (1717–18)– मराठा परिसंघ का पुनारायोजन एवम् अन्तर्द्वन्द्व (1807–17), तृतीय आंग्ल–मराठा युद्ध की पृष्ठभूमि, युद्ध का गतिक्रम व परिणाम, मराठा परिसंघ के पराभव के कारण।
3. 1813 का अधिकारपत्र (चार्टर) अधिनियम–प्रावधान, ब्रिटिश सत्ता के स्वरूप पर प्रभाव, प्रशासनिक एवम् आर्थिक महत्व; लॉर्ड हेस्टिंग्ज (1813–23) का कार्यकाल–राजपूताना में प्रभाव–विस्तार, प्रशासनिक कार्य, ब्रिटिश प्रभुता (Paramountcy) की अवधारणा का प्रतिपादन, ब्रिटिश व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण में लॉर्ड हेस्टिंग्ज का योगदान; प्रथम आंग्ल–बर्मी युद्ध (1824–26)–पृष्ठभूमि, गतिक्रम, परिणाम।
4. लॉर्ड विलियम बेण्टिंक का कार्यकाल (1828–35)– शासन–विषयक दृष्टि, प्रशासनिक कार्य, भारतीय राज्यों के प्रति नीति, सामाजिक नीति, कृतित्व का मूल्यांकन; रैयतवादी एवम् महालवारी भू–व्सवस्थाओं का विकास।
5. 1833 का अधिकार पत्र (चार्टर) अधिनियम–प्रावधान, ब्रिटिश सत्ता के स्वरूप पर प्रभाव, महत्व आंग्ल–अफगान युद्ध (1839–1842)–प्रायः 1798 से 1828 तक अफगानिस्तान का राजनैतिक परिदृश्य, अमीर दोस्त मोहम्मद का आरोहण एवम् युद्ध की तात्कालिक पृष्ठभूमि, त्रिपक्षीय सन्धि एवम् अफगानिस्तान पर आक्रमण, युद्ध का गतिक्रम व परिणाम।

इकाई 4 : भारत में ब्रिटिश सर्वोपरिता की स्थापना (1842–1856)

1. सिन्ध–विलय (1842–43) – पुष्ठभूमि, नेपियर की नीति व क्रियाकलाप, सिन्ध–विलय के औचित्य का आकलन; प्रथम आंग्ल–पंजाब युद्ध (1845–46)–पंजाब का उत्तर–रणजीत सिंह परिदृश्य, प्रथम आंग्ल–पंजाब युद्ध में योगदायी परिस्थितियाँ, युद्ध का गतिक्रम व परिणाम।
2. प्रायः 1813 से 1848 तक ब्रिटिश प्रभुता (Paramountcy) की अवधारणा के विकास का पुनरावलोकन; लॉर्ड डल्हौजी का कार्यकाल (1848–56) –पदारोहण के समय का परिदृश्य, ब्रिटिश प्रभुता विषयक दृष्टि, व्यपगति (Lapse) की नीति की पृष्ठभूमि का कार्यान्वयन।
3. द्वितीय आंग्ल–पंजाब युद्ध (1848–49)– पृष्ठभूमि, गतिक्रम, लॉर्ड डल्हौजी की नीति के औचित्य का आकलन, परिणाम; द्वितीय आंग्ल–बर्मी युद्ध (1852)– पृष्ठभूमि, गतिक्रम, परिणाम।
4. अवध का विलय (1856)– प्रायः 1805 से 1848 तक आंग्ल–अवध सम्बन्धों का पुनरावलोकन; अवध पर वर्तमान ब्रिटिश दबाव (1848–56), अवध का विलय, अवध विलय के औचित्य का आकलन; लॉर्ड डल्हौजी की साम्राज्यीय नीति की समीक्षा।
5. ब्रिटिश प्रशासनिक व्यवस्था एवम् नियन्त्रण परिषद के अधिकार क्षेत्र का विकास (1835–48); प्रशासनिक एवम् आर्थिक क्षेत्रों में लार्ड डल्हौजी के कार्य व उनका आकलन; 1853 का अधिकारपत्र (चार्टर) अधिनियम–प्रावधान, ब्रिटिश भारत की संवैधानिक व प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रभाव।

इकाई 5 : संक्रमण–कालीन भारत

1. प्रायः 1805 से 1856 तक ब्रिटिश भारत में नागरिक व सैनिक असहमतियों एवम् विद्रोहों का सर्वेक्षण; 1857 के विद्रोह की दीर्घकालीन व तात्कालिक पृष्ठभूमियाँ।
2. 1857 का विद्रोह– प्रारम्भ व प्रसार का गतिक्रम, क्षेत्रीय विशिष्टताएं प्रमुख नायक, जन–प्रतिभाग का आकलन, असफलता के कारण, तात्कालिक परिणाम, चरित्र।
3. ईस्ट इण्डिया कम्पनी की आर्थिक नीतियाँ– पारम्परिक उद्योंगों का अवसान; वाह्य व्यापार का रूपान्तरण; सम्पदा का निर्गमन (आर्थिक अपग्रहण); आर्थिक व सामुदायिक जीवन पर ब्रिटिश नीतियों का प्रभाव।
4. ईस्ट इण्डिया कम्पनी की सामाजिक नीतियाँ – पारम्परिक शिक्षा प्रणाली का अवसान; प्रायः 10813 से शिक्षा नीति के चरण एवम् पाश्चात्य शिक्षा का प्रसार; सामाजिक नीति व विधायन (Social Policy and Legislation)।
5. उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध का भारतीय नवजागरण– नवीन सामाजिक व धार्मिक विचारों के उदय के कारक तथा नवजागरण का स्वरूप; राजा राममोहन राय के विचार एवम् कृतित्व; अन्य प्रमुख सामाजिक विचारक एवम् उनकी भूमिका।

संस्तुत पुस्तकें:

1. Christopher Bayly : *Indian Society and the Making of the British Empire.*
2. Ramkrishna Mukherji : *The Rise and Fall of the East India Company.*
3. R.C. Majumdar, H.C. Raychoudhury & Kalikinkar Datta : *An Advance History of India* (हिन्दी अनुवाद – आर0सी0 मजूमदार, एच0सी0 रायचौधुरी व कालीकिंकर दत्त : *भारत का वृहत् इतिहास*)
4. S.C. Sarkar & K.K. Datta: *Modern India History, Vol. II* (हिन्दी अनुवाद–एस0सी0 सरकार व के0के0 दत्त : *आधुनिक भारत का इतिहास*)
5. Edward Thompson & G.T. Garatt : *Rise and Fulfilment of British Rule in India.*
6. T.G.P Spear : *The Oxford History of Modern India.*
7. G.S. Sardesai : *New History of The Marathas.*
8. A.R. Desai : *Social Background of Indian Nationalism* (हिन्दी अनुवाद – ए0आर0 देसाई : *भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि*)
9. राम लखन शुक्लः *आधुनिक भारत का इतिहास।*
10. सत्या रायः *भारत में उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद।*
11. G.N. Singh : *Landmarks in the Constitutional and National Development of India* (हिन्दी अनुवाद – गुरुमुख निहाल सिंह – *भारत का संवैधानिक और राष्ट्रीय विकास।*)
12. S.C. Sarkar : *The Bengal Renaissance* (हिन्दी अनुवाद- एस0सी0 सरकार : *बंगाल का नवजागरण ।*